बुद्धिमान बन्दर की कथा

बेट्सी मेस्ट्रो

एक दिन जब बंदर केले का केक खाकर जंगल से गुजर रहा था, तो वो एक बड़े छेद में गिर गया और फिर उसमें से बाहर नहीं निकल पाया. अचानक उसके दिमाग में एक नायाब विचार आया.

"गोरिल्ले का संदेश! गोरिल्ले का संदेश!" वो चिल्लाया और उसने वो संदेश शेर, साँप, ज़ेबरा और हाथी को पढ़कर सुनाया:

" 'यदि आप बहुत बुद्धिमान बनना चाहते हैं तो यहां नीचे आएं, प्रतीक्षा करें और देखें.' "

उसके बाद प्रत्येक जानवर छेद में कूदा, छलांग लगाई या फिर रेंगा.

लेकिन वो सब कुछ होने के बाद बंदर ने और कुछ छल-कपट के बारे में सीखा.

बुद्धिमान बन्दर की कथा

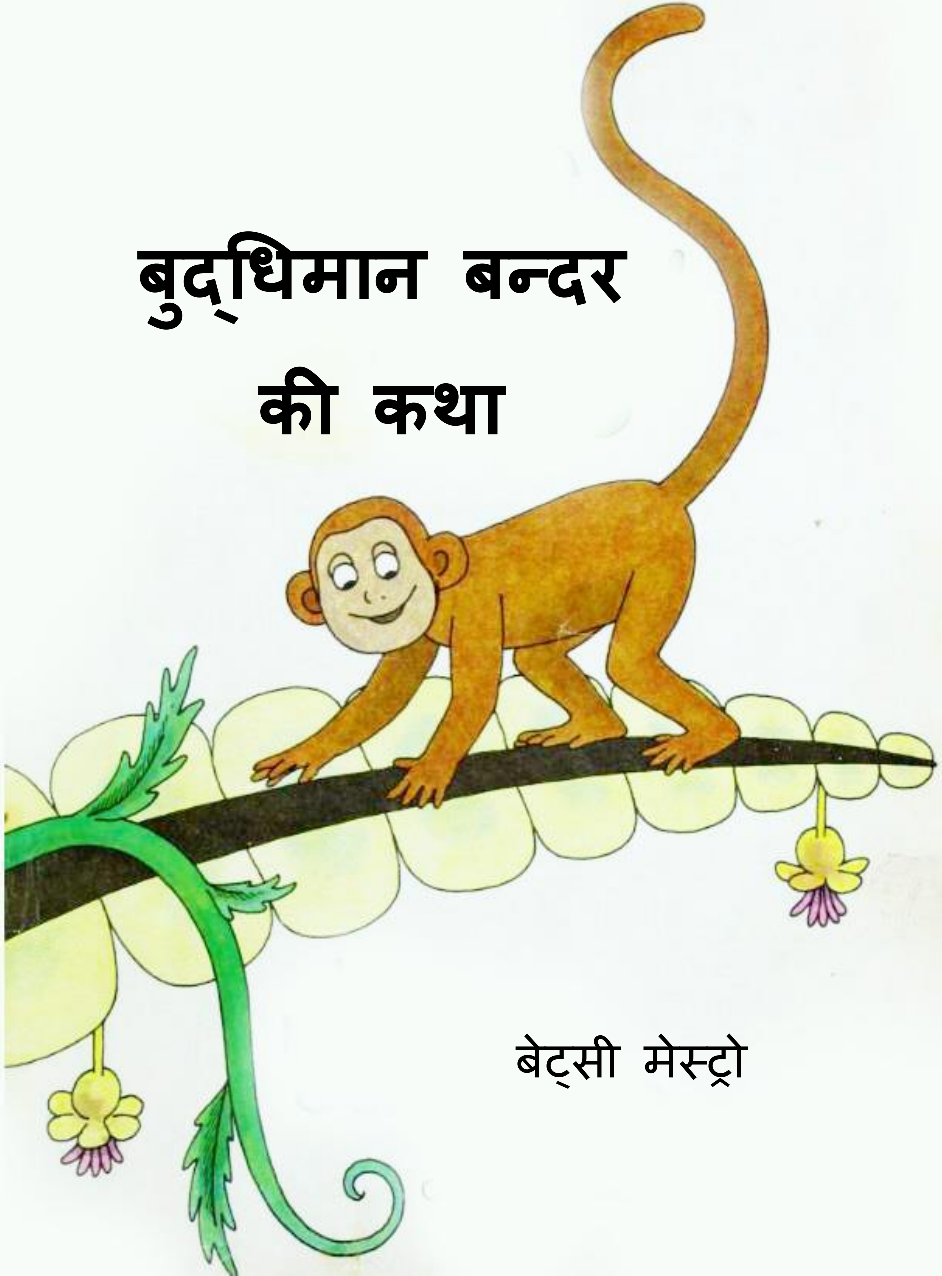

बेट्सी मेस्ट्रो

एक दोपहर, बंदर केले के पत्ते में लिपटे स्वादिष्ट केले के केक को खाकर जंगल में घूम रहा था.

बंदर खाने में इतना व्यस्त था कि उसे जमीन में एक बड़ा सा छेद दिखाई ही नहीं दिया. जैसे ही उसने मीठे केक को चबाया वो छेद में गिर गया.

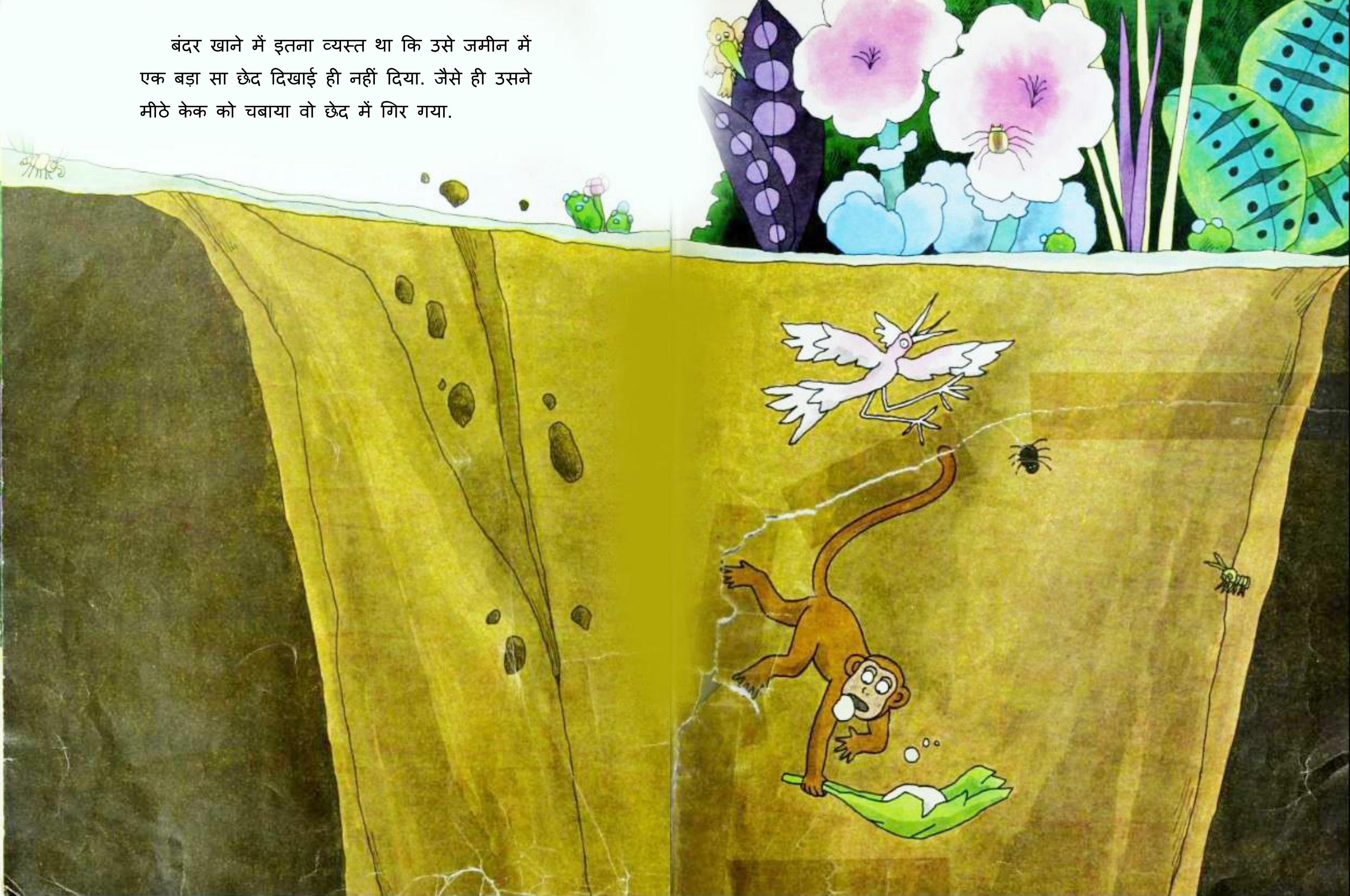

"अरे बाप रे!" बंदर ने सोचा. "मैं इस छेद से अब कभी बाहर नहीं निकलूंगा?" फिर वो खाता रहा और लगातार सोचाता रहा. जब उसने केले का केक समाप्त किया, तो उसने केले के पत्ते की ओर देखा.

"अरे!" बंदर ने कहा. "मेरे दिमाग में एक विचार आया है!"

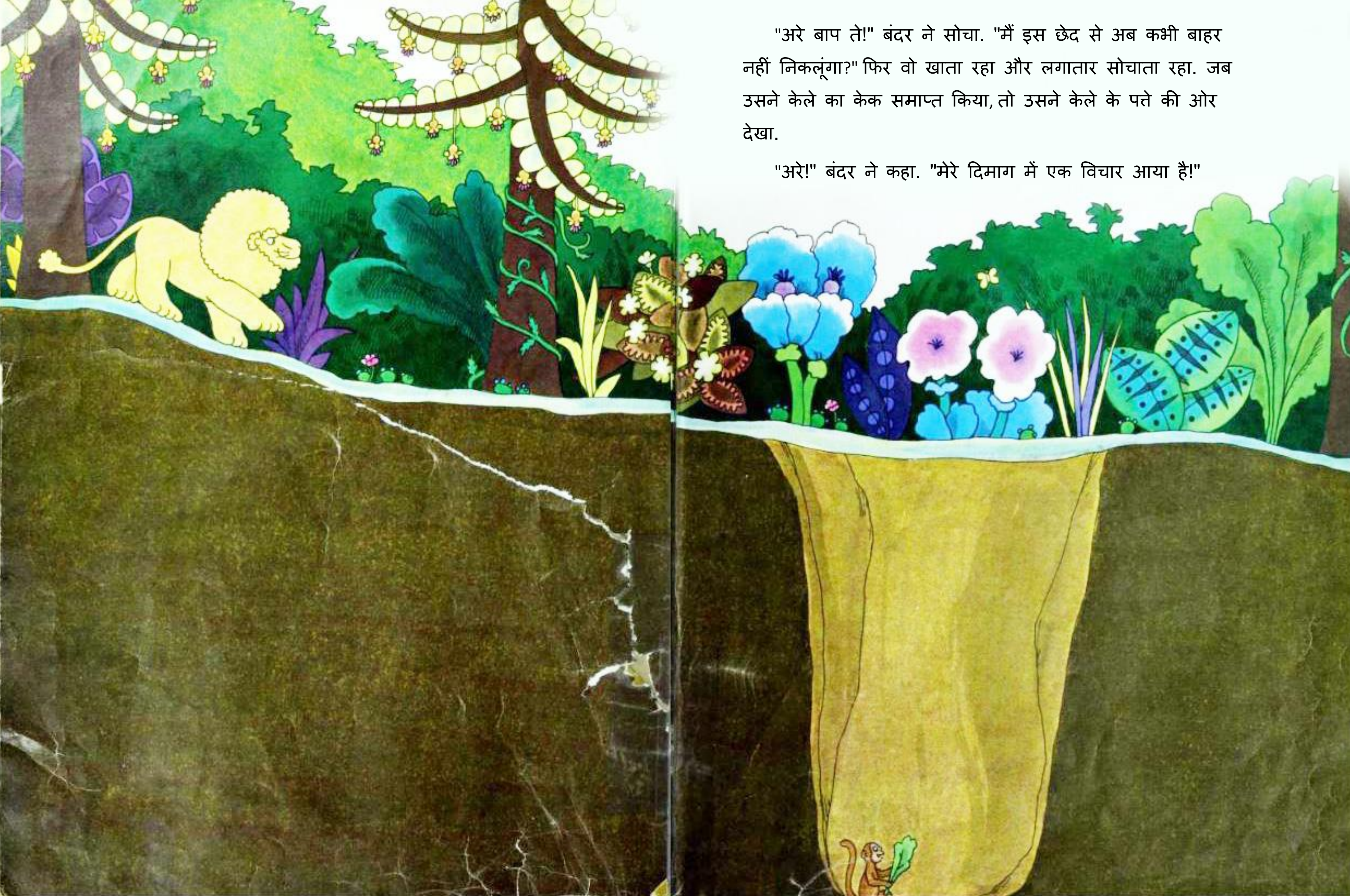

"गोरिल्ले का संदेश! गोरिल्ले का संदेश!!" बंदर ने आसमान की ओर मुंह किया और जोर से चिल्लाया.

"तुम क्या कह रहे हो?" ऊपर से एक गहरी आवाज आई. शेर उस छेद के किनारे पर ही घूम रहा था.

"यह गोरिल्ले का गुप्त स्थान है," बंदर चिल्लाया, "और उसने यहाँ इस केले के पत्ते पर एक संदेश लिखकर छोड़ा है. संदेश में लिखा है:

" 'यदि आप बहुत बुद्धिमान बनना चाहते हैं
तो यहां नीचे आएं, प्रतीक्षा करें और देखें.' "

शेर ने बंदर की ओर देखा और कहा, "अच्छा तो ऐसा है! खैर, गोरिल्ला वाकई बहुत बुद्धिमान है, इसलिए मैं उसकी बात मानूंगा." उसके बाद शेर छेद में कूद गया.

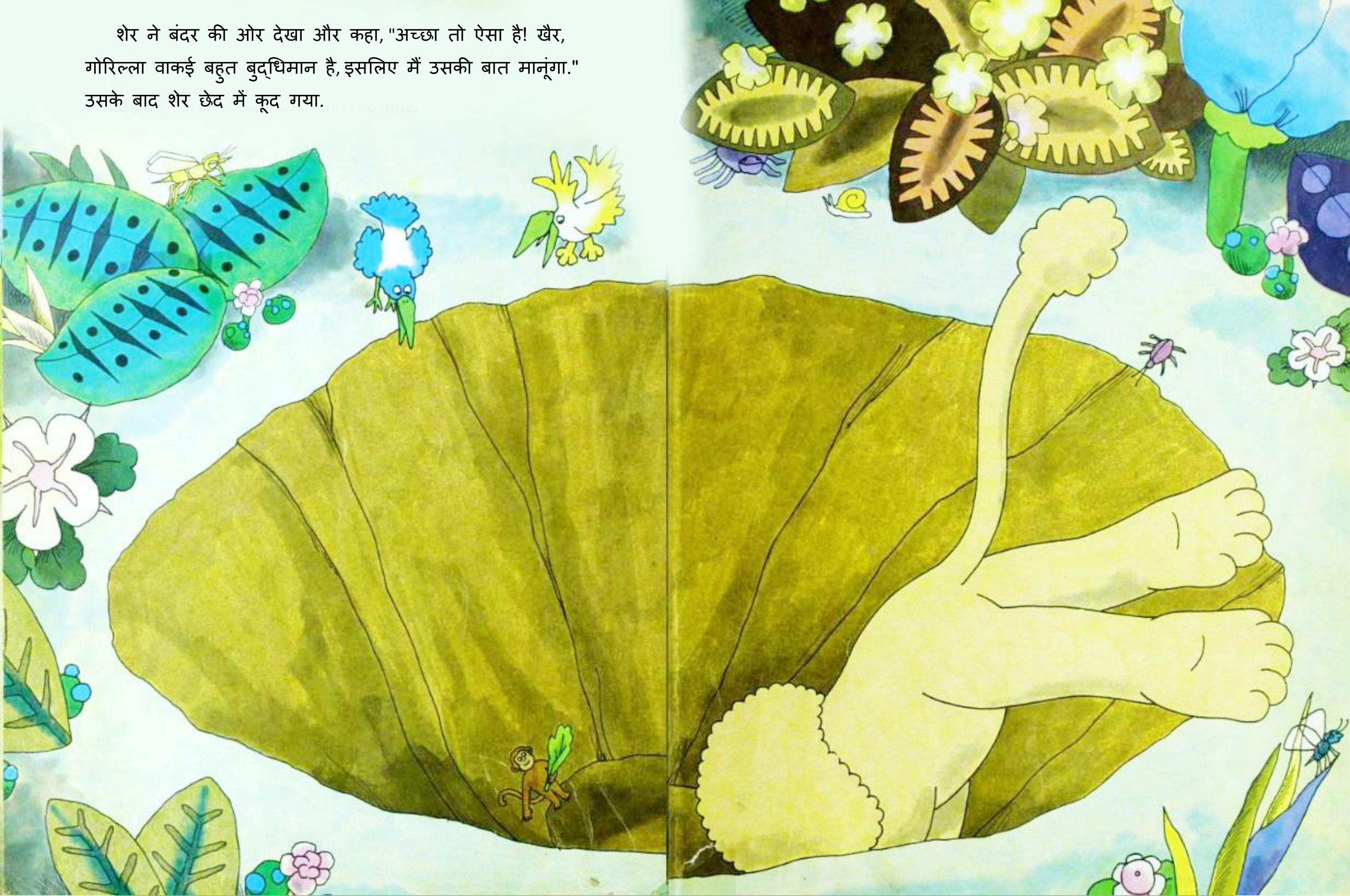

"तुम दोनों वहाँ नीचे क्या कर रहे हो?" ऊपर से एक और आवाज आई. सांप छेद के किनारे ही घूम रहा था.

"गोरिल्ले ने हमारे लिए एक महत्वपूर्ण संदेश छोड़ा है," शेर दहाड़ा.

"हाँ, सुनो," और बंदर ने पढ़ा:

" 'यदि आप बहुत बुद्धिमान बनना चाहते हैं
तो यहां नीचे आएं, प्रतीक्षा करें और देखें.' "

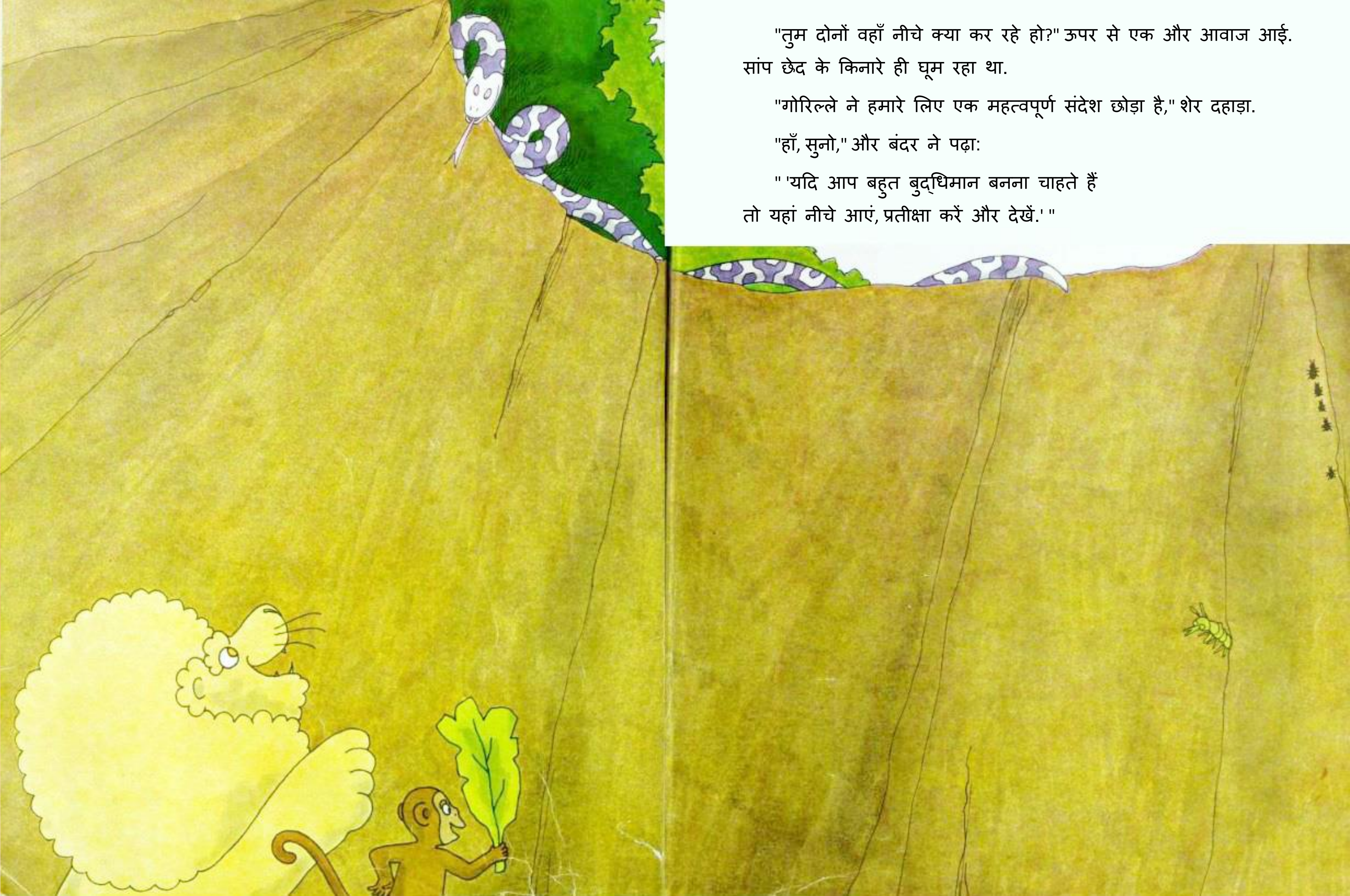

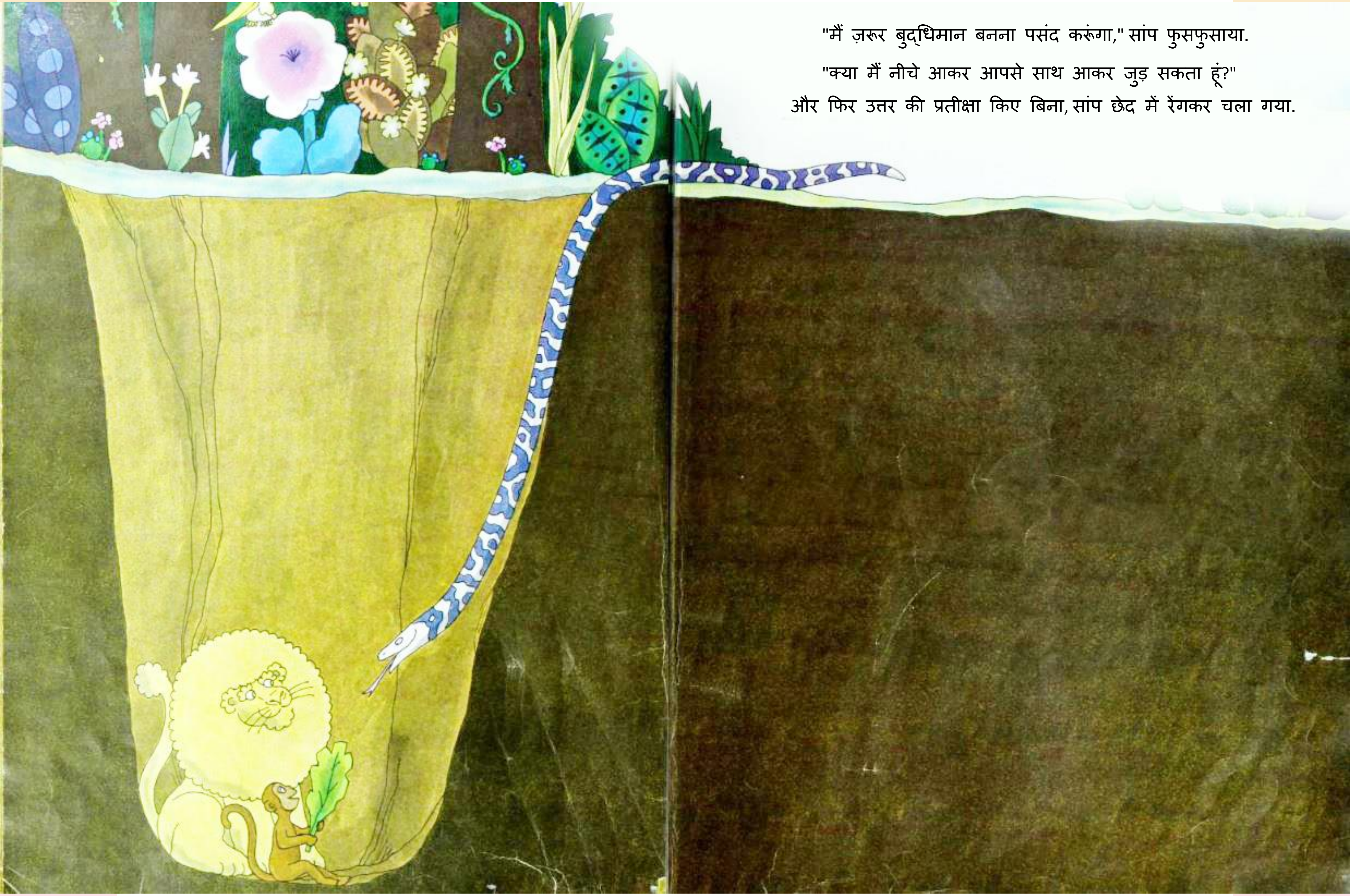

"मैं ज़रूर बुद्धिमान बनना पसंद करूंगा," सांप फुसफुसाया.

"क्या मैं नीचे आकर आपसे साथ आकर जुड़ सकता हूं?"

और फिर उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना, सांप छेद में रेंगकर चला गया.

कुछ ही देर में उन्हें ऊपर से एक नई आवाज सुनाई दी.

ज़ेबरा छेद के किनारे ही घास चर रहा था.

"क्या मेरे पार्टी में शामिल होने से आपको कोई आपत्ति तो नहीं होगी?" उसने पूछा.

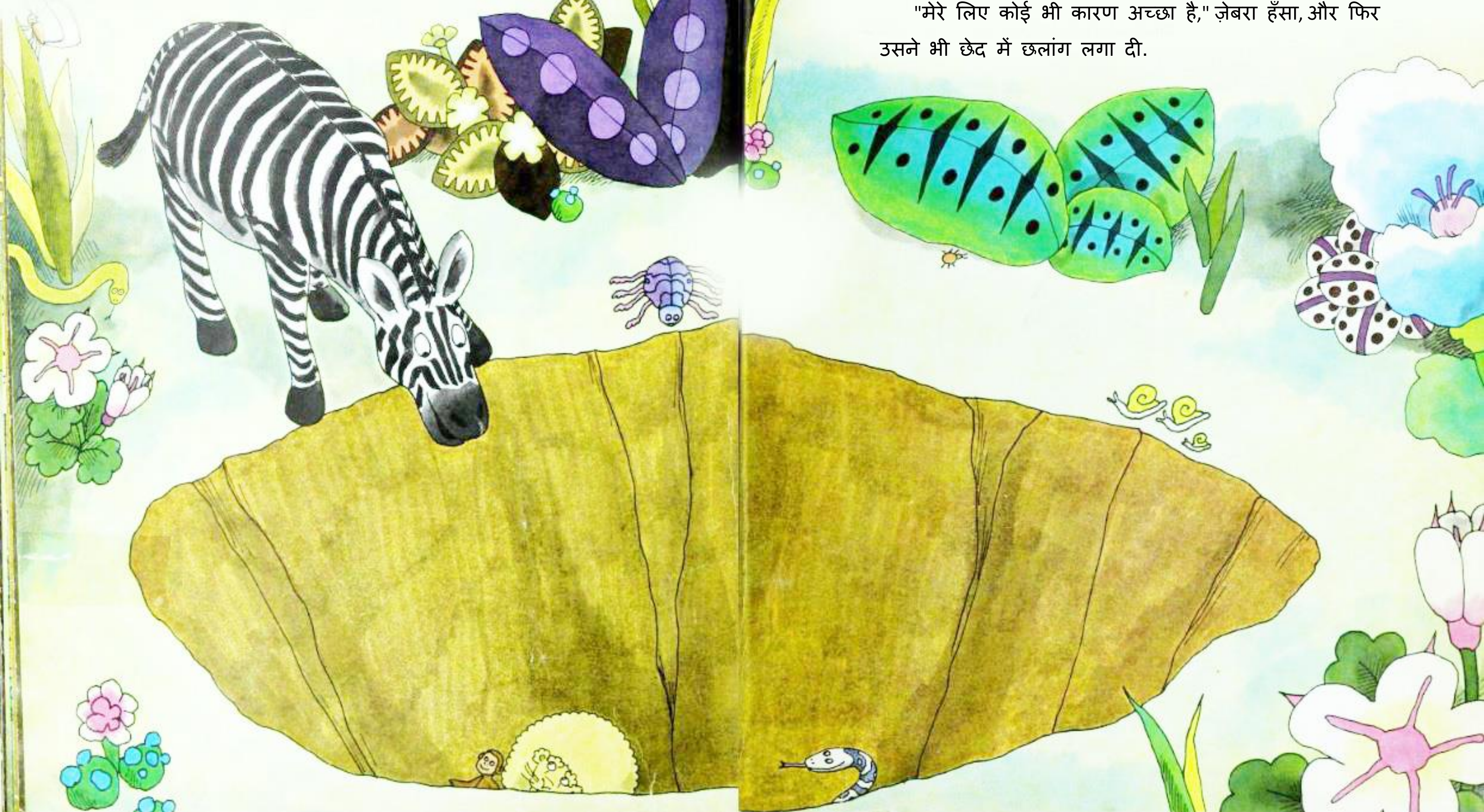

"हम यहाँ कोई पार्टी नहीं कर रहे हैं! हम यहाँ गोरिल्ले की तरह बुद्धिमान बनने आये हैं," शेर ने कहा.

"यदि तुम बहुत बुद्धिमान बनना चाहते हैं, तो तुम भी हमारे साथ जुड़ सकते हो," बंदर ने कहा.

"मेरे लिए कोई भी कारण अच्छा है," ज़ेबरा हँसा, और फिर उसने भी छेद में छलांग लगा दी.

"तुम सब उस छेद में क्यों पड़े हो?" हाथी ने छेद के किनारे आवाज़ लगाई.

"हम सभी बुद्धिमान बन रहे हैं," सांप ने कहा.

"हाथी को पत्ते पर लिखा संदेश पढ़कर सुनाओ, बंदर," शेर ने कहा.

फिर बंदर ने पढ़ा:

" 'यदि आप बहुत बुद्धिमान बनना चाहते हैं
तो यहां नीचे आएं, प्रतीक्षा करें और देखें.' "

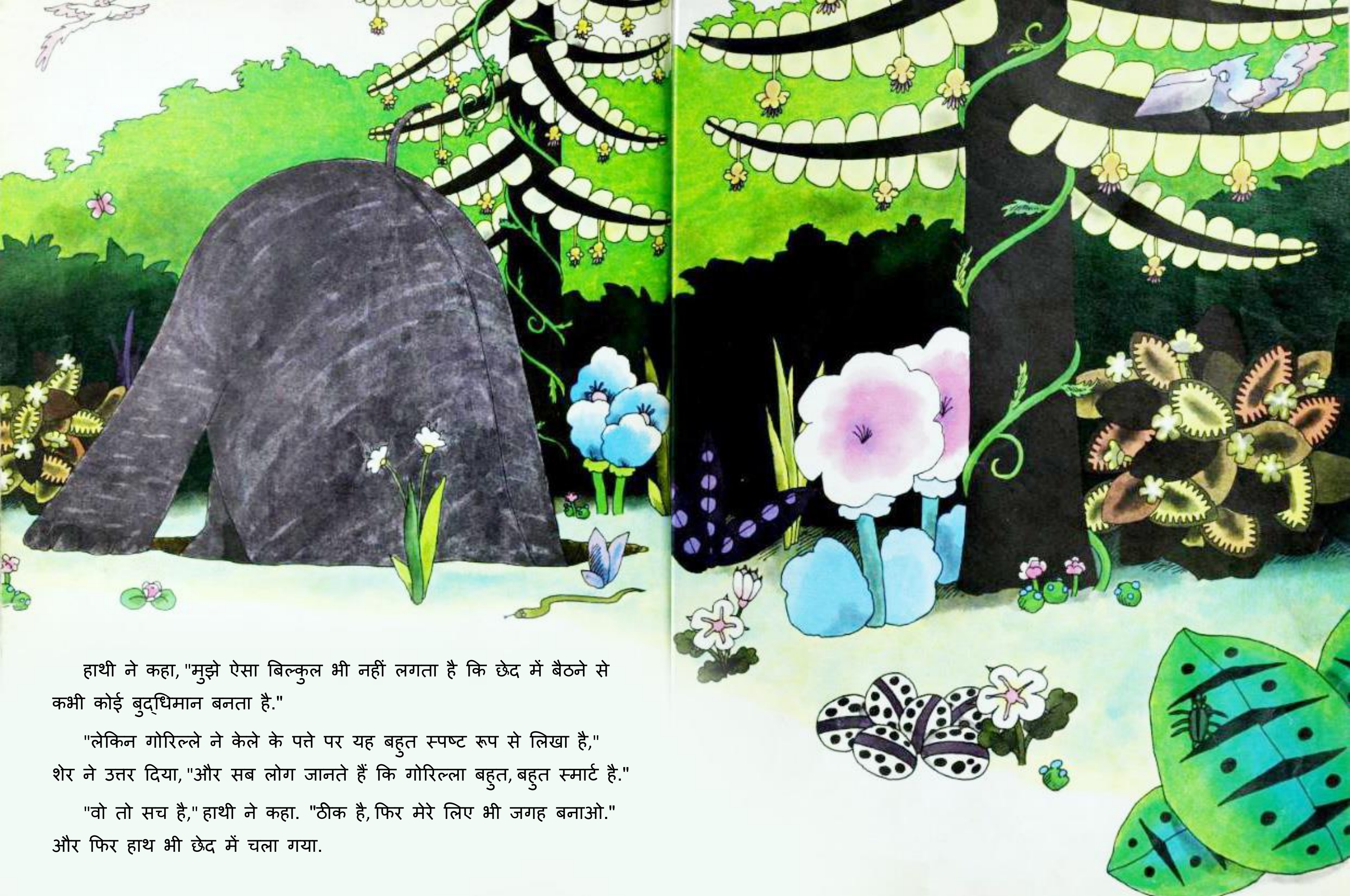

हाथी ने कहा, "मुझे ऐसा बिल्कुल भी नहीं लगता है कि छेद में बैठने से कभी कोई बुद्धिमान बनता है."

"लेकिन गोरिल्ले ने केले के पत्ते पर यह बहुत स्पष्ट रूप से लिखा है," शेर ने उत्तर दिया, "और सब लोग जानते हैं कि गोरिल्ला बहुत, बहुत स्मार्ट है."

"वो तो सच है," हाथी ने कहा. "ठीक है, फिर मेरे लिए भी जगह बनाओ." और फिर हाथ भी छेद में चला गया.

"मुझे आशा है कि यहाँ अब और कोई नहीं आएगा!" सांप ने फुफकारा.

"अब यहाँ काफी भीड़ है," हाथी ने अपनी सहमति व्यक्त की.

"बिल्कुल सही," शेर बड़बड़ाया. "अब हम इस छेद में किसी और को फिट नहीं कर सकते हैं."

"अब हमें क्या करना चाहिए, बंदर?" ज़ेबरा ने पूछा.

बंदर ने सबकी ओर देखा, और फिर उसने अपने हाथ में पकड़े केले के पत्ते को देखा.

"अरे देखो!" उसने पत्ते को पलटते हुए कहा. "यहाँ पर गोरिल्ले का एक और संदेश है:

" 'जब किसी दूसरे का फिट होना मुश्किल हो,

तो पहले वाले किसी व्यक्ति को बाहर निकल जाना चाहिए.' "

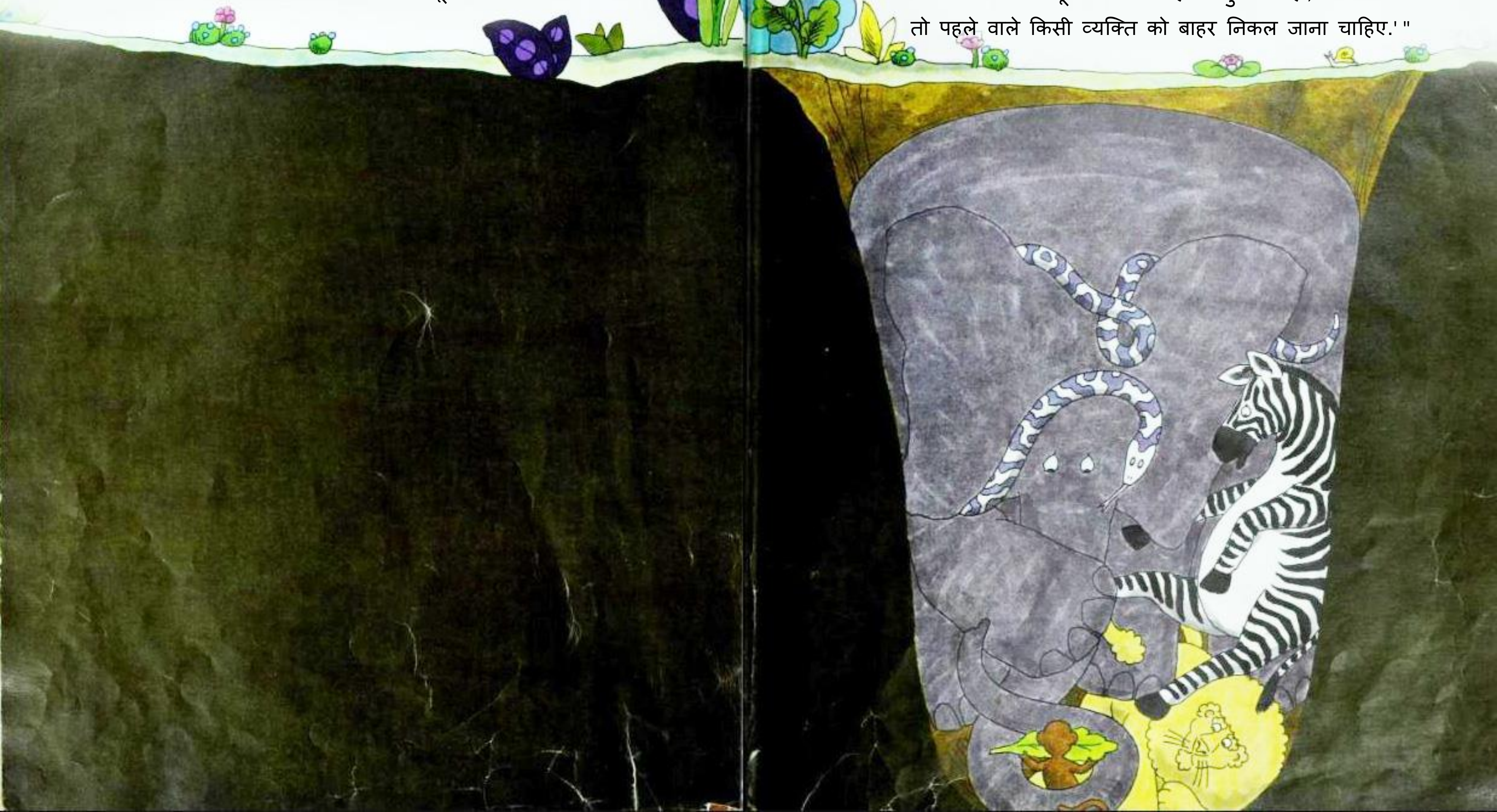

"ठीक है, बंदर," सांप ने कहा, "फिर तुम्हें पहले जाना होगा."

"क्योंकि तुम ही सबसे पहले छेद में आए थे," शेर ने कहा.

"हाँ," ज़ेबरा ने अपनी सहमति व्यक्त की, "अगर कोई और अंदर आता है तो तुम्हें उसके लिए जगह बनानी होगी."

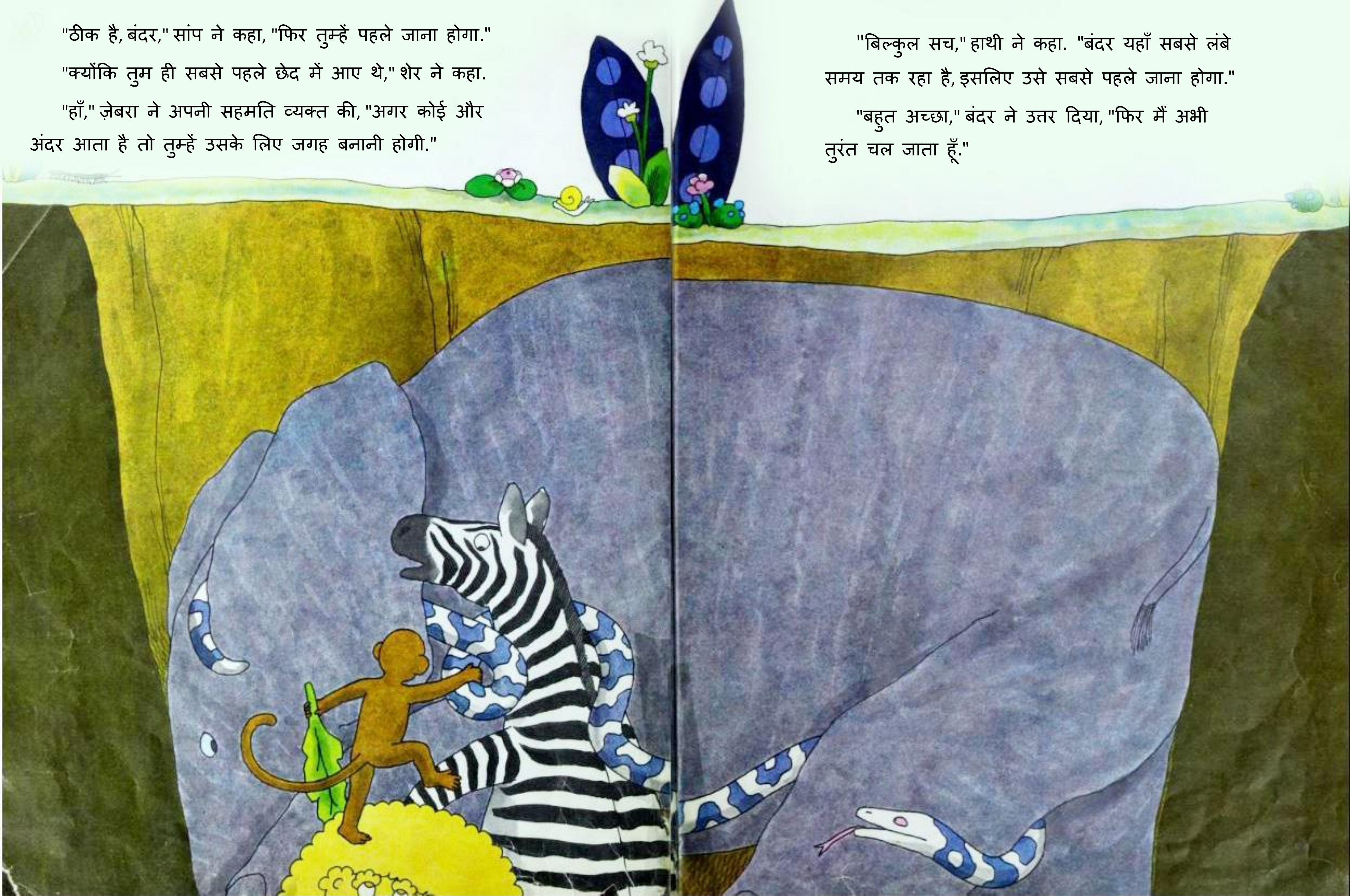

"बिल्कुल सच," हाथी ने कहा. "बंदर यहाँ सबसे लंबे समय तक रहा है, इसलिए उसे सबसे पहले जाना होगा."

"बहुत अच्छा," बंदर ने उत्तर दिया, "फिर मैं अभी तुरंत चल जाता हूँ."

उसके बाद बंदर जल्दी से दूसरे जानवरों के ऊपर चढ़कर छेद के बाहर निकल गया.

"वैसे, बंदर यह बताओ," शेर चिल्लाया, "क्या केले के पत्ते पर जो लिखा था वो सही था? क्या अब तुम पहले से कुछ ज्यादा समझदार हो?"

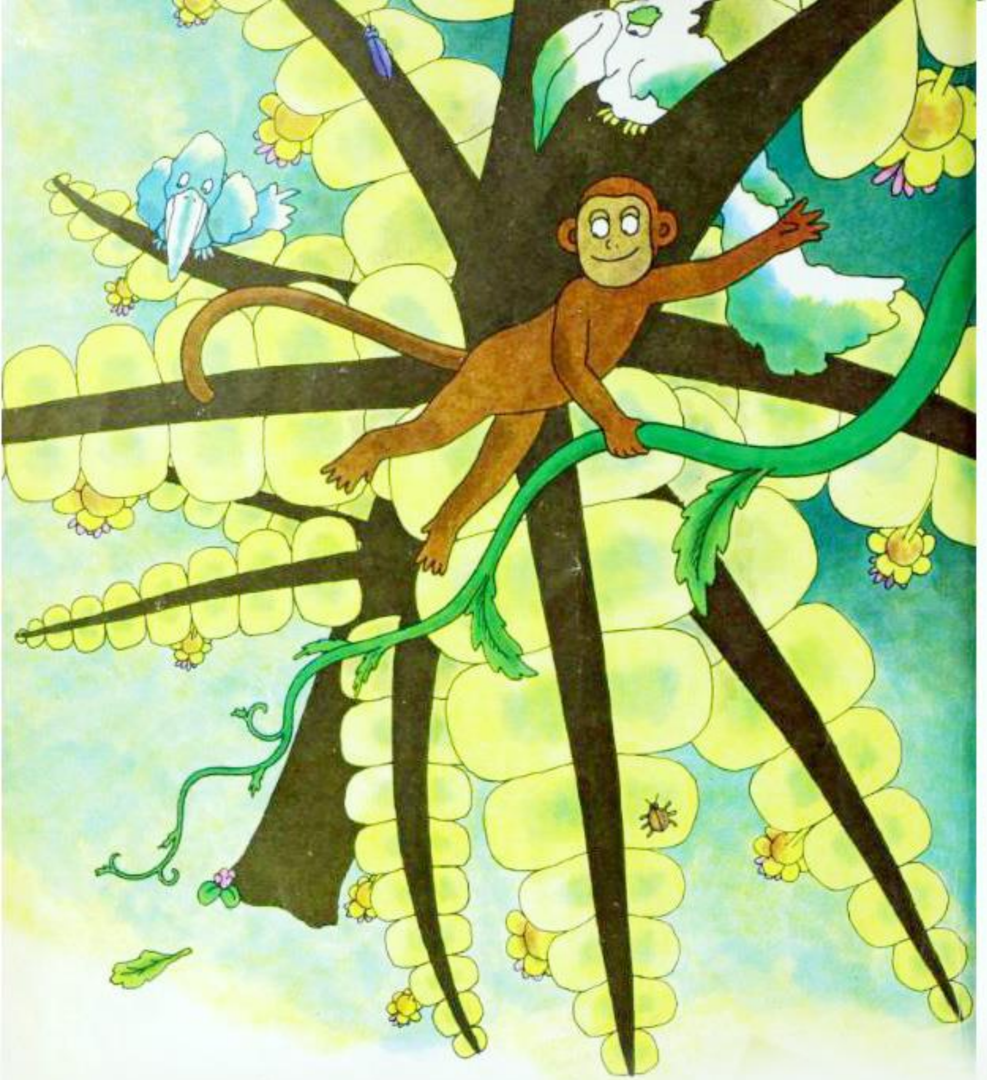

बंदर ने मुस्कुराते हुए कहा, "आप सभी को बहुत जल्द ही पता चल जाएगा कि मैं कितना बुद्धिमान हूं."

फिर उसने एक बेल पकड़ी और जल्दी से एक पेड़ पर चढ़कर गायब हो गया.